अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ में हुआ अग्निशमन सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

आज दिनांक 16 अप्रैल 2024 को अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के प्रांगण में जिला प्रशासन फरीदाबाद के द्वारा अग्रवाल महाविद्यालय के आपदा प्रबंधन क्लब के सहयोग से अग्नि सुरक्षा जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस तरह की कार्य शालाओं के आयोजन के पीछे अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान श्री देवेंद्र गुप्ता जी का लक्ष्य यह है कि हमारा विद्यार्थी किसी का जीवन बचाकर किसी के परिवार को बर्बाद होने से बचाकर समाज कल्याण में अपनी भूमिका दर्ज कर सके व पुण्य कमा सकें । इस कार्यशाला के सफल आयोजन का श्रेय कॉलेज के महासचिव श्री दिनेश गुप्ता जी के कुशल मार्गदर्शन को जाता है । एडिशनल रीजनल फायर ऑफिसर (नोडल अधिकारी जिला फरीदाबाद) श्री सत्यवान समरीवाल जी ने आग के प्रकारों का विवरण दिया व कहा आग जीवन का अभिन्न हिस्सा है लेकिन यह कभी कभी जीवन के लिए विनाशकारी भी साबित हो सकती है । उन्होंने अग्नि व अन्य सभी प्रकार की समस्याओं के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 के बारे में सभी को बताया । उन्होंने कहा की अग्नि शमन सप्ताह मनाकर जो 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाता है, के द्वारा लोगों को जागरुक करके हम 1944 में इंग्लेंड के विक्टोरिया डॉकयार्ड पर शहीद हुए 66 अग्नि शमन दल के कर्मियों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । रिटायर्ड फायर सेफ्टी ऑफिसर श्री जगदीश चंद्र गिल जी ने कहां की अग्निशमन की जानकारी व थोड़ी सी सूझ- बूझ से बड़े- बड़े हादसों को टाला जा सकता है । श्री रमन अत्री (फायर सेफ्टी इंचार्ज) बल्लबगढ़ ने कहा की आग लगने पर हमें घबराना नहीं है और ठंडे दिमाग से सोचकर सही निर्णय लेना होता है । कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ० संजीव गुप्ता जी बताया कि आग के भय से घबराकर हड़बड़ी में ही हम जान और माल की हानि कर लेते हैं जबकि थोड़ी सी सूझबूझ व शांत दिमाग से कार्य करके हम अपने व अपनों के जीवन को बचाया सकते है । जिला अग्नि शमन टीम के मेंबर्स ने कार्यशला के अंत में सभी को आग बुझाने के तरीकों का प्रैक्टिकल भी करके दिखाया । कार्यशाला के कोऑर्डिनेटर डॉ० जयपाल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन में कहां की हमें चंद पैसे बचाने के चक्कर में सस्ती वायर और स्विच नहीं खरीदने चाहिएं क्योंकि ये जल्दी आग पकड़ लेते हैं और दुघर्टना का कारण बनते हैं इसलिए हमें हमेशा आई एस आई वायर व स्विच का ही प्रयोग करना चाहिए । कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए टीम के सदस्यों डॉ० सारिका, डॉ० शोभना गोयल , डॉ० देवेंद्र, डॉ० पूजा सैनी , श्रीमती पूजा , श्री सुभाष, श्री लवकेश और श्री सौरभ गुप्ता जी का धन्यवाद भी किया ।